पर्यावरणीय जागरूकता का शिक्षाशास्त्रीय अध्ययन

राकेश बहादुर सिंह

वर्तमान समय में मानव जाति के लिये यह आवश्यक हो जाता है कि पर्यावरण स्वच्छता एवं संरक्षण में व्यक्तिगत रूप से अपनी–अपनी सहभागिता का निर्वाह करें। पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने, सकारात्मक सोच विकसित करने तथा पर्यावरण सुधार हेतु आवश्यक कौशलों का विकास करने के लिये पर्यावरण शिक्षा को शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर लागू किया गया है। आधुनिक मानव अपनी पूर्व की पीढ़ियों की तुलना में पर्यावरणीय समस्याओं के विषय में कहीं अधिक जागरूक हो रहा है।

शिक्षा को पर्यावरणोन्मुखी बनाकर समानता व सामाजिक न्याय के लक्ष्य को प्राप्त करने की आवश्यकता है। प्राणि–जगत को सफल जीवन जीने के लिए स्वच्छ पर्यावरण होना नितांत आवश्यक है। आज विद्यार्थियों में पर्यावरण पर्यावरण की रक्षा में उनकी भागीदारी आवश्यक है ताकि उनकी सोच में बदलाव लाकर पर्यावरण को आगे क्षति से बचाया जा सके। आज आवश्यकता है कि हम प्रकृति का अंग बन कर रहें और प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करें।